RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-44 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 21 नवम्बर से 27 नवम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

उत्तरकाशी सुरंग हादसा- फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए बनाया गया 5-ऑप्शन एक्शन प्लान

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चारधाम 'आलवेदर सड़क' (हर मौसम में आवाजाही के लिए खुली रहने वाली सड़क) परियोजना का हिस्सा है।

नई दिल्ली । उत्तराखंड में एक ध्वस्त सुरंग के अंदर 41 श्रमिक एक सप्ताह से अधिक समय से फंसे हुए हैं. केंद्र सरकार का कहना है कि श्रमिकों को बचाने के लिए पांच-विकल्प कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है. सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार 12 नवंबर से उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और वह इसके लिए पांच-विकल्प वाली कार्ययोजना पर काम कर रही है. बचाव अभियान नौवें दिन भी जारी है।

इस बीच जैन ने उत्तरकाशी सुरंग बचाव अभियान पर की जानकारी मुहैया कराने के लिए एक वीडियो जारी किया. उन्होंने कहा कि सरकार सभी मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रतिबद्ध है और केंद्र श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसादरोधी दवाएं और सूखे मेवे भेज रहा है. उन्होंने कहा, पांच विकल्प तय किए गए हैं और इन विकल्पों को पूरा करने के लिए पांच अलग-अलग एजेंसियां तय की गई हैं. पांच एजेंसियां अर्थात् तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी), सतलुज जल विद्युत निगम (एसजेवीएनएल), रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल), राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) और टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएचडीसीएल) को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चारधाम 'आलवेदर सड़क% (हर मौसम में आवाजाही के लिए खुली रहने वाली सड़क) परियोजना का हिस्सा है. सुरंग का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के तहत किया जा रहा है. निर्माणाधीन सुरंग का सिलक्यारा की ओर से मुहाने से 270 मीटर अंदर करीब 30 मीटर का हिस्सा पिछले रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ढह गया था और तब से श्रमिक उसके अंदर फंसे हुए हैं. उन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव एवं राहत अभियान चलाया जा रहा है.

इन 5 विकल्पों पर हो रहा काम

1. एसजेवीएनएल सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग कर रहा है.
2. सीमा सड़क संगठन द्वारा केवल एक दिन में एक एप्रोच रोड का निर्माण पूरा करने के बाद आरवीएनएल ने आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए एक और वर्टिकल पाइपलाइन पर काम शुरू कर दिया है.
3. डीप ड्रिलिंग में विशेषज्ञता रखने वाली ओएनजीसी ने बरकोट छोर से वर्टिकल ड्रिलिंग का शुरुआती काम भी शुरू कर दिया है.
4 . कार्य सुरक्षा व्यवस्था के बाद एनएचआईडीसीएल सिल्क्यारा छोर से ड्रिलिंग जारी रखेगी. इसकी सुविधा के लिए सेना ने बॉक्स पुलिया तैयार की है. श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक छत्र ढांचा बनाया जा रहा है.
5. टीएचडीसी बड़कोट से माइक्रो टनलिंग का काम करेगी, जिसके लिए भारी मशीनरी पहले ही जुटाई जा चुकी है.

भारत आ रहे जहाज को हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में किया हाईजैक, नेतन्याहू बोले- इसका परिणाम भुगतना होगा

'गैलेक्सी लीडर' नाम का जहाज कुछ घंटे पहले तक सऊदी अरब के जेद्दा के दक्षिण-पश्चिम में लाल सागर में यात्रा कर रहा था।

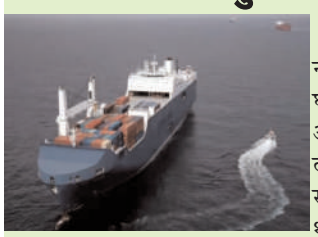

पिछले 1 महीने से ज्यादा समय से चल रहे इजरायल-हमास युद्ध के बीच इजरायल ने कहा कि यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में भारत जा रहे इजरायल के एक मालवाहक जहाज का अपहरण कर लिया। इजरायल का दावा है रविवार को जहाज के साथ ही के चालक दल के दो दर्जन से अधिक सदस्यों को बंधक बना लिया। इजरायल को जब घटना की जानकारी मिली तो उस समय जहाज तुर्की के कोरफेज में था और भारत के पिपावाव की ओर जा रहा था। इस घटना के बाद यह आशंका जताई जा रही है कि इजरायल-हमास संघर्ष के कारण क्षेत्रीय तनाव एक नए समुद्री मोर्चे पर फैल सकता है।

वहीं, यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने कहा कि उन्होंने इजरायल से जुड़े पोत का अपहरण कर लिया है और इसके चालक दल के सदस्यों को बंधक बना लिया है। समूह ने चेतावनी दी कि वह इजरायल से जुड़े या उसके स्वामित्व वाले पोतों को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में निशाना बनाना तब तक जारी रखेगा, जब तक इजरायल का गाजा में हमास शासकों के खिलाफ अभियान जारी है। विद्रोहियों ने रविवार को लाल सागर में इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी।

AIIMS के पूर्व डायरेक्टर ने वायु प्रदूषण को बताया मेडिकल इमरजेंसी, बोले- कितनी भी लागत हो एक्शन लेना जरूरी

वायु प्रदूषण के चलते 9 से 18 नवंबर तक बंद रहे दिल्ली के स्कूल आज वायु गुणवत्ता में सुधार के चलते फिर से खोले गए। दिल्ली और इससे सटे शहरों में सोमवार को वायु गुणवत्ता फिर से खराब हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार की सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 338 था, जो रविवार को शाम चार बजे 301 दर्ज किया गया था। पड़ोसी शहरों गाजियाबाद (306), गुरुग्राम (239), नोएडा (308) और फरीदाबाद (320) में भी हवा की गुणवत्ता में गिरावट दर्ज की गई। ढ्ढह्य के पूर्व डायरेक्टर डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि वायु प्रदूषण एक मेडिकल इमरजेंसी है, भले ही लागत ज्यादा हो लेकिन हमें एक्शन लेने की जरूरत है।

मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन, रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन के चेयरमैन डॉ रणदीप गुलेरिया ने प्रदूषण के प्रभाव पर इंडियन एक्स्प्रेस से बातचीत की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि डॉक्टर वायु प्रदूषण के व्यापक प्रभाव की जांच कर रहे हैं। ये बड़े,त्त्छ नंबर वास्तव में कितने खतरनाक हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति खराब हवा में सांस लेता है और वह फेफड़ों में जा रही है, तो इससे उसका विकास रुक जाता है। ऐसे कई अध्ययन हैं जो बताते हैं कि ऐसे वातावरण में बच्चों के फेफड़ों की कार्यक्षमता बड़े समूह की तुलना में काफी खराब होती है। ऐसे आंकड़े भी हैं जो बताते हैं कि वायु गुणवत्ता में सुधार से इन बच्चों की क्षमता बढ़ जाती है।

संपादकीय

पड़ोसी देश म्यांमार में संकट, भारत के लिए खतरे की घंटी

म्यांमार एक बार फिर संकट से गुजर रहा है। सैन्य साशन के खिलाफ थ्री बदरहुड अलायंस का ऑपरेशन 1027 गंभीर रुप ले रहा है। ड्रोन सैन्य चौकियों पर बम बरसा रहे हैं। म्यांमार में सैन्य शासन के खिलाफ जारी थ्री ब्रदरहुड अलायंस का ऑपरेशन 1027 गंभीर रूप लेता जा रहा है। खुद सैन्य शासन ने स्वीकार किया है कि बड़ी संख्या में सशस्त्र बागी सैनिक भारी हमला कर रहे हैं। खबरें बताती हैं कि सैकड़ों की संख्या में ड्रोन सैन्य चौकियों पर बम बरसा रहे हैं। दरअसल, म्यांमार में इस संकट की नींव दो साल पहले तब पड़ी जब फरवरी 2021 में सेना ने आंग सान सू की की अगुआई वाली निर्वाचित सरकार के हाथों से जबरन सत्ता छीन ली थी।

संपादक-
गोपाल गावंडे

पूरे देश में उसका व्यापक विरोध हुआ। लोकतंत्र बहाल करने की मांग को लेकर लोग सड़कों पर आ गए। लेकिन सैन्य शासकों ने आम लोगों के इस विरोध को ताकत से दबाने की कोशिश की, जिसका नतीजा यह हुआ कि आंदोलनकारियों का एक हिस्सा हथियार उठाने का फैसला कर उन सशस्त्र समूहों से जा मिला जो पहले से ही आत्मनिर्णय की मांग कर रहे थे। उसके बाद से ही दोनों पक्षों में झड़पें चलती रहीं, जिनमें 4000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इसमें एक नया मोड़ तब आया जब 27 अक्टूबर से म्यांमार नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी, तांग नैशनल लिबरेशन आर्मी और अराकाम आर्मी – जिन्हें 3 ब्रदरहुड अलायंस कहा जा रहा है– ने मिलकर ऑपरेशन 1027 शुरू किया जिसका मकसद सैन्य शासन को उखाड़ फेंकना है। यह ऑपरेशन आगे क्या रूप लेता है और इसके क्या परिणाम आते हैं यह सवाल तो अपनी जगह है ही, लेकिन फिलहाल इसका प्रत्यक्ष परिणाम म्यांमार से भारत की सीमा में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के रूप में सामने आ रहा है। पिछले हफ्ते ही 5000 म्यांमारियों का एक नया जत्था मिजोरम आया जिसमें कुछ सैनिक भी शामिल हैं। म्यांमार से भारत की 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है।

खास बात यह कि भारत के चार राज्योंङ्क मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश– से लगती यह सीमा फ्री मूवमेंट व्यवस्था के तहत आती है जिसके मुताबिक लोग सीमा के दोनों तरफ 16 किलोमीटर तक आ-जा सकते हैं। वैसे भी सीमा के दोनों ओर बसी जनजातियों में आपसी रिश्तेदारियों के चलते इन प्रावधानों को कड़ा करना या शरणार्थियों के आने पर रोक लगाना मुश्किल है। मगर इसके साथ ही इन नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के संवेदनशील हालात का भी ध्यान रखना होगा। 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद से शरणार्थियों का जो तांता लगा है, उससे सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले राज्य हैं मिजोरम और मणिपुर। नशे का अवैध कारोबार इस पूरे प्रकरण का एक अहम पहलू है। जानकारों के मुताबिक कुख्यात गोल्डेन ट्राएंगल ङ्क म्यांमार, लाओस और थाइलैंड बॉर्डर का इलाका– इसका प्रमुख स्रोत है। जाहिर है, न सिर्फ म्यांमार में बन रही अनिश्चितता की स्थिति बल्कि शरणार्थियों की बढ़ती संख्या भी भारत सरकार के लिए चिंता की बात है। उसे तेजी से बदलते हालात पर नजर बनाए रखनी होगी।

राजनीति

पैसे लेने का आरोप हुआ साबित तो छोड़ दूंगा राजनीति, कुमार स्वामी के आरोप पर सिद्धारमैया का पलटवार

सिद्दरमैया ने पलटवार करते हुए कहा कि कुमार स्वामी के कार्यकाल के दौरान इस तरह का नकद लेन-देन हुआ था। कुमार स्वामी के आरोपों से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि मैंने आपसे कहा है कि आप कुमार स्वामी के आरोपों के बारे में न पूछें। क्या मैंने पहले ही इसका जवाब नहीं दे दिया है। उन्हें लगातार ट्वीट करने दीजिए।

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यदि यह साबित हो जाए कि उन्होंने सरकारी अधिकारियों के एक भी तबादले के लिए पैसे लिए हैं, तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। जेडीएस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमार स्वामी सिद्दरमैया के बेटे यतींद्र का एक वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री और उनके बेटे पर तबादले के लिए पैसे लेने का आरोप लगा रहे हैं।

पैसे लेने का आरोप हुआ साबित तो छोड़ दूंगा राजनीति, कुमार स्वामी के आरोप पर सिद्धारमैया का पलटवार

सिद्दरमैया ने पलटवार करते हुए कहा कि कुमार स्वामी के कार्यकाल के दौरान इस तरह का नकद लेन-देन हुआ था। कुमार स्वामी के आरोपों से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि मैंने आपसे कहा है कि आप कुमार स्वामी के आरोपों के बारे में न पूछें। क्या मैंने पहले ही इसका जवाब नहीं दे दिया है। उन्हें लगातार ट्वीट करने दीजिए।

कुमार स्वामी के आरोप पर सिद्धारमैया ने किया पलटवार

एजेंसी, बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यदि यह साबित हो जाए कि उन्होंने सरकारी अधिकारियों के एक भी तबादले के लिए पैसे लिए हैं, तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। जेडीएस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमार स्वामी सिद्दरमैया के बेटे यतींद्र का एक वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री और उनके बेटे पर तबादले के लिए पैसे लेने का आरोप लगा रहे हैं।

सिद्धारमैया ने किया पलटवार

सिद्धारमैया ने पलटवार करते हुए कहा कि कुमार स्वामी के कार्यकाल के दौरान इस तरह का नकद लेन-देन हुआ था। कुमार स्वामी के आरोपों से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि मैंने आपसे कहा है कि आप कुमार स्वामी के आरोपों के बारे में न पूछें। क्या मैंने पहले ही इसका जवाब नहीं दे दिया है। उन्हें लगातार ट्वीट करने दीजिए। वह वही बोल रहे हैं जो उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किया था।

राजनीति से ले लूंगा संन्यास

कुमार स्वामी पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह उस पैसे के बारे में बोल रहे हैं जो उन्होंने तबादलों के लिए लिया था। हमारे कार्यकाल में हमने कोई पैसा नहीं लिया है। मैं पहले ही कह चुका हूं, यदि यह साबित हो जाए कि मैंने तबादले के एक भी मामले में पैसे लिए हैं तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। सिद्दरमैया कुछ भी दावे करें लेकिन इस मामले में कर्नाटक सरकार घिर गई है।

फार्मा कंपनी के एमडी पर दहेज प्रताड़ना का केस-पहली पत्नी से मांगे 20 लाख, नहीं दिए तो आर्य समाज मंदिर में कर ली दूसरी शादी

इंदौर के हीरानगर में दूसरी शादी करने के बाद पहली पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पहली पत्नी का आरोप है कि उसके पति एक फार्मेसी कंपनी में एमडी हैं। उन्होंने मुझे धोखे में रखकर दूसरी शादी की है। शिकायत में पहली पत्नी ने सास-ससुर पर भी आरोप लगाए हैं। पुलिस ने धमकाने, धोखे में रखकर दूसरी शादी करने और दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कर लिया है।

हीरा नगर पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता भोपाल निवासी मंजू लड़इया और योगेश की शादी 7 साल पहले हुई थी। 2016 में दोनों को हांगकांग जाना था इसलिए उन्होंने कोर्ट मैरिज की थी। इसके एक साल बाद 2017 में दोनों के परिवार ने धार्मिक रीति-रिवाज से योगेश और मंजू की शादी की।

पहली पत्नी का आरोप है कि 2017 में पति एमआर थे। और वे अकसर टूर पर रहते थे। इसके चलते सास धनवंतरि से कई बार कहासुनी होती थी। धीरे-धीरे यह कहासुनी बढ़ती गई। पहली पत्नी ने पुलिस के सामने आरोप कई बार सास ने उसे पीट भी दिया।

बिजनेस शुरू करने के नाम पर मांगे 20 लाख

मंजू ने पुलिस को बताया कि पति योगेश ने पहले तो मेरा साथ दिया, लेकिन बाद में वे भी सास धनवंतरि के साथ मिलकर मारपीट करने लगे। योगेश ने मुझे अपने माता-पिता से 20 लाख रुपए लाने को कहा। वे बिजनेस स्टार्ट करने के नाम पर पैसा मांग रहे थे। इससे दुखी होकर 28 जुलाई को मंजू भोपाल स्थित मायके चली गई। तीन बाह बाद अक्टूबर में ससुराल लौटी तो सास-ससुर ने साथ में रखने से इंकार कर दिया।

पति घर नहीं आते, सास-ससुर ने कहा दूसरी शादी कर ली

मंजू ने पुलिस को बताया कि जब वह इंदौर लौटी तो पति कई बार घर नहीं आते थे। इसके चलते उसे शंका हुई। इस बीच उसे पता चला कि 19 सितंबर को पति योगेश ने दूसरी शादी कर ली। यह शादी संचार नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में हुई थी। योगेश ने यहां दिव्या शर्मा नाम की लड़की से शादी की थी।

सास-ससुर से इस बारे में पूछने पर उन्होंने इसे सही बताया और कहा कि इसीलिए वे मंजू को अब साथ नहीं रखना चाहते। यह पता चलते ही मंजू ने अपने माता-पिता और भाई को 18 नवंबर शनिवार को इंदौर बुलाया। सभी ने पति योगेश और सास-ससुर से बातचीत की, लेकिन उन्होंने मंजू के माता-पिता को घर से भगा दिया। इसके बाद मंजू ने हीरा नगर थाने पहुंचकर योगेश और उसके सास-ससुर के खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

चूड़ी व्यापारी पर हमला

कारीगार के काम छोड़ने पर दूसरे व्यापारी को समझाने गए तो चाकू मारे, गाड़ियां फोड़ी

इंदौर के चंदन नगर इलाके में चूड़ी व्यापारी पर तीन से चार लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में चूड़ी व्यापारी के भतीजे और भाई चाकू से घायल हुए हैं। आरोपियों ने उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लिया है। अन्य की तलाश कर रही है।

चंदन नगर पुलिस के मुताबिक चंचल राठौर निवासी आड़ा बाजार की रिपोर्ट पर शहजाद उर्फ मिर्ची, शाहरूख, नाजीर और अन्य के खिलाफ चाकूबाजी, धमकाने, गाड़ी में तोड़फोड़ करने के मामले में केस दर्ज किया है। चंचल के मुताबिक वह आड़ा बाजार में चूड़ी का व्यापारी है।

उसका एक कारखाना चंदन नगर इलाके के केशव नगर में है। उनकी दुकान पर नाजीर नाम का कारीगर काम करता है। जिसे काम से हटाकर शहजाद उर्फ मिर्ची अपनी दुकान पर चंदन नगर इलाके में साथ ले गया। रविवार को चंचल अपने अन्य कारीगर आबिद को साथ लेकर शहजाद के घर पहुंचा। यहां बातचीत के दौरान शहजाद और उसका रिश्तेदार शाहरुख अपशब्द कहने लगा। इसके बाद सभी ने मिलकर चंचल को पीट दिया।

भतीजे भाई को मारे चाकू, गाड़ी फोड़ी

चंचल ने इसके बाद अपने भतीजे अखिल को कॉल किया। वह अपने पिता दिनेश के साथ वहां पहुंचे। इस दौरान आरोपियों ने अखिल और आबिद पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपियों ने कंधे, पैर हाथ व अन्य जगह चाकू से हमला किया। इतना ही नहीं जब वह बचकर मौके से भागने लगे तो आरोपियों ने उनके स्कूटर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। सभी वहां से अपनी जान बचाकर मौके से भाग आए।

पति के बाद पत्नी ने भी तोड़ा दमखेटी का उपचार जारी,13 नवबंर की अलसुबह हुए थे हादसे का शिकार

इंदौर के विजयनगर में 13 नवंबर की सुबह एक परिवार गैस टंकी में लीकेज के चलते आग लगने के कारण हादसे का शिकार हो गया।

शुक्रवार को पति की उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके बाद पत्नी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया। अब 9 साल की बच्ची का एमवाय में गंभीर हालत में उपचार चल रहा है। विजयनगर पुलिस के मुताबिक लक्ष्मी (34) पति राजेश की रविवार को एमवाय अस्पताल में मौत हो गई। वह पिछले 7 दिनों से एमवाय अस्पताल में उपचार करा रही थी। रिश्तेदारों ने बताया कि लक्ष्मी के पति राजेश की शुक्रवार को ही मौत हुई है। उनके साथ 9 साल की बेटी रक्षा भी जल गई थी। उसका अभी भी एमवाय में उपचार चल रहा है।

अलसुबह हुआ था हादसा

13 नवंबर को राजेश के घर में गैस टंकी लीकेज होने से आग लगी थी। जिसमें राजेश उसकी पत्नी लक्ष्मी और बेटी रक्षा झुलस गए थे। इस दौरान गृहस्थी का सामान भी जल गया। राजेश मूल रूप से भिंड इलाके का रहने वाला है। यहां पिछले 10 सालो से इंदौर रहकर गार्ड की नौकरी कर रहा था।

इंदौर में युवक के अपहरण-

हत्या के तीनों आरोपित गिरफ्तार, भागने में हाथ-पैर टूटे

इंदौर। तेजपुर गड़बड़ी निवासी 18 वर्षीय पुष्कर उर्फ चीकू का अपहरण और हत्या करने वाले तीनों आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपितों के हाथ-पैरों में चोट आई है। पुलिस का दावा है आरोपित बचकर भागने के दौरान जख्मी हो गए। तीनों का तेजपुर गड़बड़ी और आइडीए मल्टी में जुलूस भी निकाला गया। अफसरों का दावा है कि अपहरण के थोड़ी देर पहले आरोपितों से विवाद हुआ था।

पुष्कर उर्फ चीकू का 16 नवंबर को आरोपित शंकर बलाई, तिलक कोरी और करण उर्फ छोटू बंजारा ने चोइथराम सब्जी मंडी के समीप से अपहरण कर लिया था। आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की और कुएं में धक्का देकर मार डाला। शनिवार रात पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने एफआइआर में हुई देरी से पल्ला झाड़ा है।

चूहे से डरा ढाई साल का बच्चाघबराकर गर्म पानी के बर्तन में गिरा, आठ दिन बाद मौत

इंदौर के चंदन नगर में रहने वाले एक ढाई साल के बच्चे की गर्म पानी में झुलसने से मौत हो गई। बताया जाता है कि अचानक चूहा सामने आ जाने से बच्चा घबरा गया। वह डरकर भागा। इस दौरान पीछे ही रखी गर्म पानी की बाल्टी में गिर गया।

पिता की मौत के पंद्रहवें दिन 17 साल के बेटे ने लगाई फांसी

परदेशीपुरा क्षेत्र के सर्वहारा नगर में 17 वर्षीय कान्हा उर्फ गौरव पिता यशवंत भगत ने शनिवार को फांसी लगा ली। उसके पिता की कुछ दिन पहले हृदयाघात से मौत हुई थी, तभी से वह दुखी था।

फल विक्रेता सहित तीन युवकों ने भी फांसी लगाई

जूनी इंदौर इलाके की गुलजार कॉलोनी में देवा बकोड़े ने फांसी लगा ली। वह फल बेचता था। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ। उधर, छत्रीपुरा इलाके के बाराभाई में रहने वाले 27 वर्षीय राहुल पिता राजू ने फांसी लगा ली। वह रात 2 बजे उठा और भाई से बोला नींद नहीं आ रही। इसके बाद उसने फांसी लगा ली। उधर, नंदन नगर के 25 वर्षीय रवींद्र पिता रेवाराम ने शनिवार को फांसी लगा ली। मौत का कारण पता नहीं चला।

अनाज कारोबारी की पत्नी ने फांसी लगाई

भंवरकुआं पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय श्रुति पति विक्की अग्रवाल निवासी विजय विहार कॉलोनी ने रविवार सुबह 9.30 बजे फांसी लगा ली। पति अनाज कारोबारी हैं। पुलिस ने बताया श्रुति ने कमरे में खुद को बंद कर लिया था। जब उसने दरवाजा नहीं खोला तो पास ही रहने वाले मायके वालों को बुलाया। फिर उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए तो वहां मायके और ससुराल पक्ष आमने-सामने हो गए। पुलिस ने स्थित संभाली और ताबड़तोड़ पीएम करवाकर अंतिम संस्कार करवाया। टीआई राजकुमार यादव ने बताया कमरे से छोटा सुसाइड नोट मिला, जिसमें मर्जी से जान देने की बात लिखी। उसकी 10-12 साल पहले शादी हुई थी। आत्महत्या में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई। मुख्य वजह पता नहीं चली।

कब है देवउठनी एकादशी

दीपों के महापर्व दीपावली के 11 दिन बाद आती है देव उत्थान एकादशी और 15वें दिन आती है देव दीपावली। देव उत्थान एकादशी जहां समस्त हिंदू समाज में तरह-तरह से मनाई जाती है, वहीं देव दीपावली बनारस क्षेत्र में विशेषकर मनाई जाती है। क्या है इन पवित्र दिनों का महत्व और किस ढंग से मनाए जाते हैं ये पर्व, जानते हैं

इस दिन आखिर क्यों बजाया जाता है थाली या सूप और देव दीपावली का महत्व

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन मंदिरों और घरों में देवों को जगाया जाता है और लक्ष्मी नारायण की पूजा अर्चना की जाती है। क्षीरसागर में भगवान विष्णु के जागते ही शुभ व मांगलिक कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं और इस दिन तुलसी विवाह भी किया जाता है। इस दिन चावल के आटे से घरों में चौक बनाया जाता है और गन्ने का मंडप बनाकर श्रीहरि की पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन तुलसी के पौधे का दान करने का बहुत उत्तम बताया गया है।

देवउठनी एकादशी 2023

इस बार 23 नवंबर 2023 को देवउठनी एकादशी है। ये एकादशी कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष में आती है। माना जाता है कि इस दिन श्रीहरि विष्णु पांच माह के बाद शयनकाल से जागते हैं। देव उठने के बाद सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। इस दिन रात में शालिग्रामजी और तुलसी माता का विवाह होता है। इतना शुभ दिन होने की वजह से विवाह के लिए भी ये दिन बहुत शुभ माना जाता है। इसे मनाने की परंपरा भी अलग-अलग इलाकों में भिन्न है।

थाली या सूप बजाकर जगाते हैं देव को?

हिंदू धर्म में मान्यता है कि चार माह देवता सोते हैं। इस दौरान मांगलिक कार्य नहीं होते। दे?वशयनी एकादशी से शुरू ये चतुर्मास देवउठनी एकादशी पर आकर संपन्न होता है। इस दिन पश्चिमी यूपी और राजस्थान के इलाकों में चॉक और गेरू से पूजा स्थल के पास तरह-तरह के डिजाइन बनाए जाते हैं। इनमें गाय-भैंस के पैर, कॉपी किताब, देवी-देवता, फूल पत्ती के डिजाइन शामिल होते हैं। साथ ही दीवार पर भगवान की तस्वीर बनाई जाती है और उनके सामने थाली या सूप बजाकर और गीत गाकर देवताओं को जगाया जाता है। थाली बजाते हुए गीत गाते हैं - उठो देव बैठो देव, अंगुरिया चटकाओ देव। मान्यता है कि थाली या सूप बजाकर देवों को जगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और मनोकामना पूरी होती है।

पहाड़ों पर मनाई जाती है दिवाली

हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में देव उठनी एकादशी पर दिवाली जैसी रौनक रहती है। उत्तराखंड में यह दिन इगास बग्वाल के रूप में मनाया जाता है। घरों में सुबह साफ-सफाई के बाद मीठी पूरी-दाल के पकौड़े बनते और बंटते हैं। पशुओं की पूजा होती है। वहीं दिन ढलने पर घरों के भीतर और बाहर दीपक जलाए जाते हैं। कई जगहों पर ढोल-दमौ की थाप पर नाचते हुए गांव वाले भैल्लो खेलने के लिए भी जुटते हैं। भैल्लो अंधेरा होने पर स्थानीय घास-फूंस का बना रस्सी से बंधा एक गोला होता है जिसमें आग लगाकर गोल-गोल घुमाया जाता है। माना जाता है कि अनिष्ट को भगाने के लिए भैल्लो जलाए जाते हैं। ये एक तरह से पटाखे का स्थानीय रूप है। गढ़वाल की नागपुर पट्टी के तहत बैंजी गांव में तो इस दिन समुद्र मंथन, वासुकी नाग और देवासुर संग्राम का प्रतीकात्मक मंचन भी किया जाता है।

देव दीपावली यानी देवताओं की दीपावली

प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि पर देव दीपावली मनाई जाती है। हिंदू धर्म में दिवाली की तरह देव दीपावली का भी बहुत ज्यादा महत्व है। इस त्योहार को भी दीपों का त्योहार कहा जाता है। देव दीपावली का यह पावन पर्व दिवाली के ठीक 15 दिन बाद मनाया जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से काशी में गंगा नदी के तट पर मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवता काशी की पवित्र भूमि पर उतरते हैं और दिवाली मनाते हैं। देवों की इस दिवाली पर वाराणसी के घाटों को मिट्टी के दीयों से सजाया जाता है। एक प्रचलित कथा के अनुसार, कार्तिक महीने की पूर्णिमा तिथि को भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। त्रिपुरासुर के आतंक से मुक्त होने की खुशी में सभी देवताओं ने काशी में अनेकों दीप जलाकर उत्सव मनाया था। ऐसे में हर साल इसी तिथि पर यानी कार्तिक पूर्णिमा और दिवाली के 15 दिन बाद देव दीपावली मनाई जाती है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य और दीपदान किया जाता है।

देवउठनी एकादशी पर करें इनमें से कोई एक उपाय, खूब बढ़ेगा धन

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी बहुत महत्व रखती है। इस दिन भगवान विष्णु नींद से जागते हैं, इसलिए इसे देवउठनी एकादशी कहते हैं। कई जगहों पर लोग देवप्रबोधिनी एकादशी भी बोलते हैं। हिंदू धर्म में एकादशी के दिन तुलसी विवाह किया जाता है। इस दिन से हिंदू धर्म में मांगलिक कार्य शुरु हो जाते हैं। वहीं इस दिन लोग भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय भी करते हैं। कहा जाता है की श्री हरी को प्रसन्न कर उनसे इच्छापूर्ति की कामना करते हैं। इस लिए यदि आपको भी अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो इस देवउठनी एकादशी के दिन आप कुछ विशेष व खास उपाय कर सकते हैं। आइए जानते हैं वे उपाय...

1. देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु का केसर मिश्रित दूध से अभिषेक करें। ऐसा करने से विष्णु जी प्रसन्न होते हैं और साथ ही मांगी हुई हर इच्छा पूरी होती है।

2. एकादशी पर के दिन सुबह जल्दी उठकर नदी में स्नान करें, इससे आपके जीवन में आपको समस्त सुख प्राप्त होंगे। स्नान करने के बाद गायत्री मंत्र का जाप करें और आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

3. धन वृद्धि के लिए आप एकादशी के दिन विष्णु मंदिर में सफेद मिठाई या खीर का भोग लगाएं। भोग में तुलसी के पत्ते जरुर डालें। इससे भगवान विष्णु जल्दी ही प्रसन्न होते हैं।

4. ग्यारस (एकादशी) के दिन विष्णु मंदिर में एक नारियल व थोड़े बादाम चढ़ाएं। इस उपाय को करने से आपके सभी अटके कार्य बनने लगेंगे और सुखों की प्राप्ति होगी।

5. एकादशी के दिन आप पीले रंग के कपड़े, पीले फल व पीला अनाज पहले भगवान विष्णु को अर्पण करें, इसके बाद ये सभी वस्तुएं गरीबों व जरूरतमंदों में दान कर दें। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा आप पर बनी रहेगी।

Sheynnis Palacios के सिर सजा मिस यूनिवर्स 2023 का ताज, हुई इमोशनल

72वें मिस यूनिवर्स का खिताब Sheynnis Palacios ने अपने नाम कर लिया है. मिस यूनिवर्स 2022 आर बोनी ने शेन्निस पलासियोस को ताज पहनाया, जिसके बाद वो काफी इमोशनल हो गईं. दुनियाभर के लोग शेन्निस पलासियोस को मिस यूनिवर्स 2023 बनने पर बधाइयां दे रहे हैं.

समाज की रूढ़िवादी सोच पर से पर्दा उठाती फिल्म, कैसे मृणाल करेंगी चुनौतियों का सामना?

प्रवीण अरोड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म ढाई आखर को 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2023 में प्रीमियर के लिए चुना गया है. ये एक ऐसी फिल्म है जो पुरुष और महिला की दोस्ती पर बात करती है. समाज की रूढ़िवादी सोच पर से पर्दा उठाती है. ऐसे में गोवा में होने वाले इफ्फी फिल्म महोत्सव में इस इंडिपेंडेंट फिल्म का विश्व प्रीमियर होना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है. इस कम्पटीशन में ढाई आखर का मुकाबला कंतारा, गुलमोहर और 96वें ऑस्कर पुरस्कार के लिए चयनित 2018- एवरीवन इज ए हीरो जैसी फिल्मों से होगा।

विधवा औरत का अकेला जीवन

फिल्म का टीजर बेहद दमदार है. विधवा महिला के रोल में मृणाल कुलकर्णी काफी संजीदा लगी हैं. कहानी हर्षिता नाम की एक ऐसी महिला की है, जो सालों एक शादी में रहीं जो प्रताड़ना का शिकार हुई. पति की मौत के बाद परिवार में अब बेटा-बहू हैं. हर्षिता चिट्ठी की मदद से एक ऐसे शख्स के करीब आती है, जहां से एक नए प्रेम संबंध की शुरुआत होती है. एक उम्र और स्तर के बाद स्त्री और पुरुष के बीच पनपे इस दोस्ती के रिश्ते को अच्छी निगाहों से नहीं देखा जाता. ये फिल्म यही बात कहती है. कैसे परिवार विरोध करता है, समाज तिरस्कार भरी निगाहों से देखता है. बात यहां तक आती है कि बेटा मां पर हाथ उठाने तक को अमादा हो जाता है।

फिल्म की कहानी लेखक अमरीक सिंह दीप के उपन्यास तीर्थाटन के बाद पर आधारित है।

Farm House Wala.com

STARTING PRICE - 351/- SQFT

Platinum Package

Picture Perfect
FARMHOUSES FOR SALE

Home Features

- 10*20 swimming pool
- Plantation
- Rcc Boundari
- Landscaping
- Fountain
- 800 sqft 2 bhk

Call To Find Out More
8889066688, 9109639404
www.farmhousewalaa.com

शुभमन गिल ने दोहराया 20 साल पुराना इतिहास... सचिन तेंदुलकर से क्या है कनेक्शन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे फाइनल मुकाबले में शुभमन गिल मजह 4 रन बनाकर आउट हो गए. उन्होंने 20 साल पुराना अनचाहा इतिहास दोहराया है. दरअसल, 2003 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में सचिन तेंदुलकर भी महज 4 रन बनाकर आउट हुए थे।

वो तारीख थी 23 मार्च 2003. जोहानिसबर्ग में वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा था. भारत के सामने थी ऑस्ट्रेलिया. कंगारुओं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था. रिकी पोंटि?ंग के 140 रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 359 रन बनाए थे. रन चेज करने उतरी टीम इंडिया के लिए टारगेट अचीव करना बेहद मुश्किल था. सचि?न तेंदुलकर ने पहले ही ओवर में ग्लेन मैक्ग्रा की गेंद पर चौका जड़ा, लेकिन वह पांचवी गेंद पर महज 4 रन के स्कोर पर आउट हो गए. 20 साल बाद ये इतिहास आज शुभमन गिल ने दोहरा दिया है. सचिन के बाद शुभमन वर्ल्डकप मुकाबले में 4 रन पर आउट हुए हैं. फाइनल मुकाबले में तब भी ऑस्ट्रेलिया थी और आज भी।

टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में फूट-फूटकर रोते रहे खिलाड़ी, राहुल द्रविड़ बोले- नहीं देखा जा रहा था हाल

वर्ल्ड कप 2023 फाइनल हारते ही जहां कप्तान रोहित शर्मा आंखों में आंसू लिए सबसे पहले ड्रेसिंग रूम पहुंचते तो मोहम्मद सिराज मैदान पर फूट-फूटकर रोने लगे। इसके बाद ड्रेसिंग रूम में क्या हुआ राहुल द्रविड़ ने वहां का सारा हाल बयां किया।

वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल समेत पहले सभी 10 मैचों में जीत के रथ पर सवार भारतीय टीम फाइनल की जंग हार गई है। खिताबी मुकाबले में जैसे मैक्सवेल के बल्ले से विनिंग रन निकला तो भारत के खिलाड़ियों की आंखें नम हो गईं। मोहम्मद सिराज जहां मैदान पर ही फूट-फूटकर रोते नजर आए तो कप्तान रोहित शर्मा नम आंखों के साथ सबसे पहले ड्रेसिंग रूम की ओर चल दिए। मैदान पर अन्य खिलाड़ी अपने को कंट्रोल किए हुए थे, लेकिन जैसे ही सभी ड्रेसिंग रूम पहुंचे तो भावुक होकर फूट-फूटकर रोते-सिसकते दिखाई दिए। इसकी जानकारी खुद हेड कोच राहुल द्रविड़ ने दी है। उन?होंने कहा कि वह खिलाड़ियों के दुख को देख नहीं सके।

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

SATGURU NAGAR
INDORE - KHANDWA ROAD

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

मंदबुद्धि नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास

गाय को रोटी खिलाने जा रही थी, पड़ोसी ने गंदी नीयत से पकड़ा, शोर होते ही भागा

ग्वालियर में एक मंदबुद्धि नाबालिग के साथ उसके पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म का प्रयास किया है। घटना बीते रोज आरोन पाटई में उस समय की है जब नाबालिग गाय को रोटी खिलाने निकली थी। पड़ोसी उसे अगवा कर एक सूनसान इलाके में ले गया और गंदी हरकत करने लगा नाबालिग का शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हुए तो आरोपी उसे छोड़कर भाग गया।

नाबालिग रोते हुए घर पहुंची तो घटना का पता चला। मामले का पता चलते ही परिजन किशोरी को लेकर थाने पहुंचे और स्नढ्ढक्रदर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की तो पता चला कि आरोपी अपने घर से फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश में उसके संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

आरोन थाना क्षेत्र के पाटई निवासी पंद्रह वर्षीय किशोरी मानसिक रूप से दिव्यांग है और बीते रोज वह गाय को रोटी खिलाने के लिए गई तो पास ही रहने वाला राजेन्द्र नामक युवक नाबालिग को मिला। वह उसका मुंह दबाकर उठा ले गया और एकांत स्थान पर ले जाकर उससे गलत काम करने का प्रयास किया। नाबालिग ने जब शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग निकला। घटना की शिकार पीड़िता घर पर पहुंची और रोते हुए अपने साथ घटी घटना मां को बताई। मामले का पता चलते ही परिजन दिव्यांग को लेकर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने बालिका की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर लिया है।

आरोपी घर से हुआ फरार

घटना के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में उसके घर पर पहुंची, लेकिन आरोपी अपने घर से फरार मिला है। पुलिस अब उसकी तलाश के लिए उसके संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

शहडोल में बच्चे को अगरबत्ती से 51 जगह दागा

सांस लेने में तकलीफ और पेट फूलने की समस्या थी; हालत गंभीर

शहडोल में डेढ़ महीने के एक बच्चे को अगरबत्ती से 51 जगह जला दिया गया। बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उसका पेट भी फूल गया था। परिजन ने इलाज के लिए एक हकीम को बुलाया तो उसने पेट, सिर, माथे, पैर और कंधे पर दाग दिया।

बच्चे की हालत बिगड़ी, तो परिजन इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। उसकी हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बच्चा एसएनसीयू में भर्ती है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मामला बाल अधिकार संरक्षण आयोग पहुंच गया है।

शहडोल के हरदी गांव के रहने वाले प्रेमलाल बैगा ने बताया कि बेटे प्रदीप की तबीयत खराब थी। उनकी गैर मौजूदगी में घर के बुजुर्गों ने एक हकीम को बुलाया था। हकीम ने बेटे को अगरबत्ती से 51 बार दाग दिया।

मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. नागेंद्र सिंह ने बताया कि बच्चे को निमोनिया हुआ था। परिजन ने अंध विश्वास के चलते उसे अगरबत्ती से दगवाया है। नजदीकी अस्पताल में कोई सुविधा न होने पर उसे समुचित इलाज भी नहीं मिल सका। मासूम को लगभग 15 दिन पहले दागा गया है। उसके कुछ घाव भर गए हैं, कुछ अभी भी हैं। इस मामले की जानकारी स्थानीय प्रशासन को दी गई है।

सागर के गढ़ाकोटा पहुंचे पूर्व CM दिग्विजय सिंह रहली सीट से कांग्रेस प्रत्याशी पर हमले की घटना की जानकारी ली, कार्यकर्ताओं से की बात

सागर की रहली विधानसभा के गढ़ाकोटा में शनिवार शाम हुए बवाल के मामले में रविवार रात पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गढ़ाकोटा पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। जिसके बाद वे रेस्ट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बात कर घटनाक्रम की हकीकत को जाना। इस दौरान उनके साथ रहली विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल और अन्य समर्थक मौजूद थे। देर रात तक वह कांग्रेस प्रत्याशी, जिले के पार्टी पदाधिकारियों से चर्चा करते रहे।

दरअसल, शनिवार शाम को गढ़ाकोटा के गुंजोरा में चुनावी रंजिश को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हुआ था। जिसमें जमकर मारपीट हुई। वहीं कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी। घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल ने वीडियो जारी कर भाजपा प्रत्याशी गोपाल भार्गव पर हमला करवाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि था गोपाल भार्गव के गुंडों ने मुझ पर हमला किया है। गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। हमारी कोई सुन नहीं रहा है। जान को खतरा है। हालांकि घटनाक्रम की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और मामला शांत कराया था। पुलिस मामले में उपद्रव करने वाले आरोपियों की शिनाख्त कर कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

बिना आत्मसाक्षात्कार विश्व परिवर्तन संभव नहीं

आपका परिवार राजवंश शालीवाहन होने के साथ-साथ अत्यंत पावन धर्मपरायण ईमानदार सत्यनिष्ठा था तथा अत्यंत उदार व अन्य धर्मों का सम्मान करने वाला भी आपके माता-पिता प्रथम श्रेणी के स्वतंत्रता सेनानी रहे हैं। जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्य दांव पर लगा दिया था ।

शैशव काल से ही श्री माताजी अत्यंत जिंदादिल थी जो भी उन्हें बुलाता उसके पास चली जाती, सभी पशु पक्षीयों से उनकी मित्रता थीद्ध। बचपन में खाली वक्त में वे अकेली ध्यानस्थ बैठकर यहाँ चिंतन किया करती थी कि सामूहिक कुंडलिनी जागृत द्वारा किस प्रकार से वह संसार के लोगों को अपनी समस्याओं से मुक्ति दिलवा सकती हैं, बचपन से ही गरीबों व असहायों के प्रति वे अत्यंत सुह्रद एवं करूणामय थी ।

भूमि का स्पर्श हो इसीलिए वे पाठशाला जाते समय चप्पल नहीं पहनती थी। छुट्टी के समय भी श्री निर्मला देवी महात्मा गांधी के आश्रम में जाती थी। महात्मा जी उन्हें नेपाली संबोधित करते थे। आश्रम के सभी कार्यों में उनका सहभाग था और उनकी भावपूर्ण उपस्थिति महात्मा जी को भी अनजाने में प्रेरणा देती थी। निर्मला देवी जी ने महात्मा गांधी जी के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी होकर कार्य किया ।

सन् 1942 के स्वतंत्रता लड़ाई में विद्यार्थियों की क्रांति में अग्रणी होने के कारण अनेक बार उन्हें कारावास में जाना पड़ा। 5 मई 1970 में उन्होंने समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए सहस्त्रार खोला व उस विधि को खोजा जिसके द्वारा हजारों में एक साथ कुंडलिनी ,, हमारे अंदर स्थित परमात्मा की सूक्त शक्ति का ,,जागरण संभव हुआ यह कार्य सृष्टि में प्रथम बार हो रहा है । अपने अथक प्रयासों से श्री माताजी विश्व के अनेक देशों में हजारों की कुंडलिनी जागृत कर आत्मसाक्षात्कार प्रदान कर रही हैं। वे कहती हैं,, बिना आत्मसाक्षात्कार दिए विश्व परिवर्तन संभव नहीं है । यह कार्य में अपने स्वभाव से प्रेमवस कर रही हूं अतः आपको इसके लिए कुछ देना नहीं है । आप अपने अंदर स्थित परमात्मा की शक्ति को जागृत कर शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक उन्नति को प्राप्त करें। आत्मसाक्षात्कार पाना मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है ,जिसे देने के लिए मैं आई हूं ।,,

इंदौर के स्टार्टअप का नया इनोवेशन

'नभ रक्षक'

वर्ल्ड का पहला ऐसा AI इनेबल ड्रोन जो पानी में डूबते लोगों को बचाएगा

इंदौर के स्टार्टअप ने एक ऐसा ड्रोन तैयार किया है जो पानी में डूबते हुए पर्यटकों को न केवल डिटेक्ट करेगा बल्कि उनकी जान भी बचाएगा। इसका उपयोग गोवा के सभी 52 बीच, उप्र के घाटों, उत्तराखण्ड और इंडियन नैवी में किया जा सकेगा। मप्र में भी अब चुनाव के बाद नई सरकार बनने के बाद चर्चा की जाएगी और इसका प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। प्रदेश में भी इसका उपयोग हनुमंतिया सहित सभी बड़ी नदियों, तालाबों में आसानी से किया जा सकेगा।

'नव रक्षक' नाम का यह ड्रोन इंदौर की पिसार्व टेक्नोलॉजीस कंपनी ने तैयार किया है। कंपनी के फाउण्डर और चीफ टेक्निकल ऑफिसर अभिषेक मिश्रा व चीफ पीपुल ऑफिसर ष्टक्क्ष रोशनी शुक्ला (मिश्रा) का दावा है कि यह भारत ही नहीं बल्कि वर्ल्ड का सबसे पहला आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस इनेबल ड्रोन है।

आमतौर पर दूसरे ड्रोन उड़ते हैं लेकिन इस ड्रोन के साथ ऑन बोर्ड कम्प्यूटर भी है जो साथ में उड़ता है। यह ड्रोन समुद्र में, नदी में, तालाब आदि में कोई डूब रहा है तो ऑटोमैटिक उसे डिटेक्ट कर लेगा। इस दौरान वहां बेस्ड स्टेशन पर अलार्म बजेगा।

डिटेक्ट करने के अलावा इसमें एक और सुविधा है कि जब कोई डूबता है तो यह संबंधित के ऊपर जाकर लाइफ सेविंग जैकेट गिरा देगा। ऐसे में डूबता हुआ व्यक्ति उस जैकेट की मदद से करीब एक घंटे तक पानी में आराम से तैर सकता है और उसकी जान बच जाएगी।

कुंभ मेला में रहेगा उपयोगी

कंपनी के ष्टञ्ज्ञ अभिषेक मिश्रा ने बताया कि उक्त ड्रोन का उपयोग गोवा के बीचेस के लिए काफी उपयोगी है। इसके लिए वहां की सरकार से बात हुई है जिस पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। वहां सभी 52 बीचेस पर इसका इंस्टालेशन किया जाएगा। इसी तरह गुजरात के कोस्टल एरिया, उत्तराखण्ड, उप्र में भी खासकर वाराणसी में जितने भी घाट हैं उन्हें कवर किया जाना है, जिसके लिए चर्चा चल रही है। प्रारंभिक रूप से यहां भी सहमति बन चुकी है। इसके अलावा आने वाले सालों में उप्र में कुंभ मेला लगेगा तब भी हादसों पर नियंत्रण के लिए इसका उपयोग किया जा सकेगा।

1 दिसम्बर ओडिशा में इंस्टालेशन

CPO रोशनी शुक्ला ने बताया कि उक्त ड्रोन का मप्र में भी आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। चूंकि अभी चुनावी दौर था इसके चलते सरकार से बात नहीं हो सकी। अब नई सरकार बनने के बाद इसका प्रेजेंटेशन देंगे। अगर सहमति बनी तो प्रदेश में हनुमंतिया जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग हो सकेगा।

कंपनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर दुर्गेश शुक्ला व डायरेक्टर आलोक वाणी ने बताया कि इंडियन नैवी कोराकुट (ओडिशा) ने भी इसके ऑर्डर दिए हैं जो सप्लाय किए जा रहे हैं। नैवी इसके पूर्व कंपनी द्वारा किए गए सर्विलॉन्स जोन 'गरुड' का पहले से ही उपयोग कर रही है। 1 दिसम्बर को वहां 'नभ रक्षक' इंस्टॉल किया जाएगा।

'नभ रक्षक' ड्रोन की खासियत

- इस ड्रोन को 6 महीने में तैयार किया गया है।
- वज़न 2 किलो है, ड्रोन में ऑन बोर्ड कम्प्यूटर भी है।
- यह 600 फीट की ऊंचाई तक उड़ता है।
- 2 हाई टेक कैमरे लगे हैं, एक कैमरा बंद होते ही दूसरा ऑन हो जाएगा।
- ड्रोन को उड़ाने के लिए रिमोट की जरूरत नहीं पड़ती।
- भारत का ऑटोनॉमस ड्रोन है जो पानी में डूबते व्यक्ति को बचाने के लिए लाइफ सेविंग जैकेट छोड़ देगा।
- तालाब, नदी में डूबते व्यक्ति को डिटेक्ट करते ही बेस्ड स्टेशन पर अलार्म बजने लगेगा।
- ड्रोन के साथ लाइफ सेविंग जैकेट, एयर बलून, पतली रस्सी लटकाई जा सकती है।

125 घाटों पर 1 लाख से ज्यादा व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्ध्य, छठ मैया की आराधना की

छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार को छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में 125 से अधिक छठ घाटों पर जैसे ही सूर्यास्त हुआ एक लाख से ज्यादा व्रतधारियों ने प्रसाद से भरी टोकरियों को हाथों में लेकर सूर्यदेव को अर्घ्य देना प्रारंभ किया। सभी ने अपनी संतान, परिजन के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु जीवन की कामना की।

साथ ही लोकगीत भी गाए। सोमवार को छठ व्रतधारी सुबह 6.42 बजे उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसी के साथ चार दिनी महापर्व का समापन होगा। अर्घ्य के बाद व्रती के परिवारों द्वारा श्रद्धालुओं को ठेकुआ एवं फलों के प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

4 बजे से पूजन के लिए पहुंचने लगे थे श्रद्धालु

पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान के प्रदेश महासचिव केके झा, अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह ने बताया जैसे ही शाम 5 बजकर 42 मिनट पर भगवान भास्कर अस्तांचल में समाने लगे, जल कुंड में खड़ी व्रती महिलाओं एवं पुरुषों ने प्रसाद से भरी टोकरियों को अपने हाथों में लेकर सूर्यदेव को अर्घ्य देना प्रारंभ किया। अपनी संतान, परिजन के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु जीवन के साथ शहर, प्रदेश एवं राष्ट्र के लिए मंगल कामना की।

रात में हुआ भजनों का आयोजन, गूंजे लोकगीत

विधायक रमेश मेंदोला, नगर निगम के सभापति मुन्नालाल यादव व मेयर इन काउंसिल के सदस्य राजेंद्र राठौर विजय नगर छठ घाट पर पहुंचे और भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने अपने परिवार, संबंधियों के साथ प्रसाद लेकर पुन: अपने घरों को प्रस्थान किया। शहर में कई छठ महापर्व आयोजन समितियों द्वारा रात में भजनों का आयोजन किया गया। इसमें गायक, गायिकाओं ने भजन व छठ के लोकगीतों की प्रस्तुति दी।

शहर में मुख्य रूप से स्कीम नंबर 54, अनुपम नगर, स्कीम नं. 78, पीपल्यापाला तालाब, बाणगंगा कुंड, देवास नाका, सुखलिया, तुलसी नगर, श्याम नगर एनेक्स, समर पार्क, नंदबाग, कैट रोड, सिलिकॉन सिटी, कालानी नगर, वक्रतुंड नगर, मांगलिया, शिप्रा, मां अंबे नगर, एरोड्रम रोड, ड्रीम सिटी आदि में सामूहिक रूप से छठ पूजा का आयोजन किया गया। कृष्णबाग कॉलोनी ~ पल्हर नगर पानी की टंकी के पास छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान अरविंद सिंह, भूपेंद्र सिंह, विजेंद्र सिंह, पीयूष सिंह, नंदप्रसाद, अक्षय प्रसाद आदि मौजूद थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)